

डा० संतोष कुमार सिन्हा

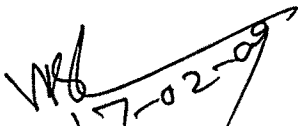
एम० फिल०, पी-एच० डी०

रीडर, समाजशास्त्र विभाग

श्री मुरली मनोहर टाउन पी०जी० कालेज बलिया

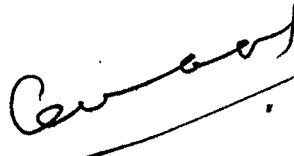
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मुहम्मद शोबराती ने मेरे निर्देशन में 'मुस्लिम समुदाय में जातीय गतिशिलता' एक समाजशास्त्रीय अध्ययन शोध प्रबन्ध पूर्ण किया है। यह उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है। यह एक मौलिक शोध प्रबन्ध है। इसे मुल्यांकनार्थ प्रेषित करने की अनुशंसा करता हूँ।



17-02-09
प्राचार्य

डा०वी०के० सिंह

प्राचार्य
श्री मुरली मनोहर टाउन
बलिया


विभागाध्यक्ष

डा० ओंकार लाल


निर्देशक

डा० संतोष कुमार सिन्हा

प्राक्कथन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध 'मुस्लिम समुदाय मे जातीय गतिशीलता' एक समाजशास्त्रीय अध्ययन है। इस्लाम धर्म मे जातीय सामाजिक संस्तरण की कोई वैचारिकीय अथवा सैद्धान्तिक अवधारणा नही है। लेकिन मैने अपने छात्र जीवन काल मे देखा की सामाजिक संस्तरण मे अन्तर्निहित जातिगत सामाजिक विषमता मुस्लिम समुदाय मे भी है। मै भी एक मुस्लिम समुदाय से सम्बन्धित हूँ। इसलिए मुझे इस व्यवहारिक और सैद्धान्तिक अवधारणाओ मे विभेद की वास्तविकता को जानने की उत्कृष्ट अभिलाषा जागृति हुई। मैने अपने अध्ययन क्षेत्र मे पाया की व्यवसायिक गतिशीलता और आर्थिक प्रस्थिति के उन्नयन से ही जातीयगतिशीलता के आयाम अधिक परिलक्षित हो रहे है।

प्रस्तुत अध्ययन मे अनेक विज्ञ जनों का सहयोग हमे प्राप्त हुआ है। जिनके प्रति आभार प्रकट करना मेरा नैतिक कर्तव्य है। सर्वप्रथम मै अपने गुरुदेव एवं निर्देशक डा० संतोष कुमार सिन्हा जी, रीडर समाजशास्त्र विभाग तथा इनकी धर्मपत्नी श्रीमति साधना सिन्हा के प्रति हृदय से आभारी हूँ जिनके विद्वत पूर्ण मार्ग दर्शन एवं समय समय पर आने वाली कठिनाइयों का सरलतम उपाय सुझाकर मेरे कार्य को सम्पन्न कराने मे पूर्ण सहयोग प्रदान किये है। मै अपने महाविद्यालय के प्राचार्य डा० बी० के० सिंह, विभागाध्यक्ष डा० ओंकार लाल जी गुरुजन डा० वी०के० वैद्य, डा० राम नरेश यादव, डा० आर०पी० सिंह, एवं डा० निशा जी के प्रति आभारी हूँ। जिनका समय समय पर सस्नेह दिशा निर्देश मुझे प्राप्त होता रहा है।

मै अपने स्व०पिता आस मोहम्मद के चरणो मे नत मस्तक हूँ जिनकी स्मृतियाँ ही हमारे जीवन के पथ प्रदर्शक और प्रेरणा श्रोत है। माँ फातिमा खातुन के उस वात्सल्य, स्नेह, आर्शिवाद को शब्दो मे व्यक्त नही कर सकता हूँ। वे मेरी पूज्यनीया है, जो पिता के छत्र छाया के अभाव मे यहाँ तक पहुचने मे अभिप्रेरित करती रही है। मै भ्रातृत्वतुल्य गुरुभाई वैभव सिन्हा के प्रेम और साथ को विस्मृति नही कर सकता हूँ। इसी तरह चाचा श्री मकबूल अहमद, श्री नेहाल अहमद तथा इमामिया इण्टरमीडिएट कालेज रसड़ा के प्रबन्धक सै०मु० मुजतबा हुसैन प्रधानाचार्य सैयद अहमद तथा हमारे साथ पढाने वाले अध्यापक बन्धुओ ने मुझे हरेक परिस्थिति आत्मीय सहयोग प्रदान किए मै इन सबके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

फरवरी 2009



मुहम्मद शोबराती